हे पवन के तनय वीर हनुमान जी कब से करता विनय आप आ जाइये Bhajans Bhakti Songs

हे पवन के तनय वीर हनुमान जी,
कब से करता विनय आप आ जाइये ।
नाव मजधार में आज मेरी फसी,
पार आकरके उसको लगा जाइए ॥

बालेपन में ही भक्षण किया सूर्य का,
तीनो लोकों में छाया अंधेरा घना ।
वीर बजरंग बाँके महावीर फिर ,
अपना बल और पराक्रम दिखा जाइये ॥

वीरता में पराक्रम में बलबुद्धि में,
भक्ति में भाव में कोई तुझसा नही ।
बस उसी भक्ति का भाव संसार को,
फिर से आके जरा सा दिखा जाइए ॥

नाम लेने से ही बस महावीर का,
दूर संकट सभी झट से हो जाते हैं ।

अम्बिका हैं शरण में ये राउर तेरे,

Source:
https://www.bharattemples.com/he-pawan-ke-taney-veer-hanuman-ji-kab-se-karta-vinay-aap-aa-jiyo/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw